Vaishno Mata Aarti Lyrics in Hindi and English

Vaishno Mata Aarti Lyrics in Hindi

जय वैष्णवी माता,
मैया जय वैष्णवी माता ।
हाथ जोड़ तेरे आगे,
आरती मैं गाता ॥
॥ जय वैष्णवी माता..॥

शीश पे छत्र विराजे,
मूरतिया प्यारी ।
गंगा बहती चरनन,
ज्योति जगे न्यारी ॥
॥ जय वैष्णवी माता..॥

ब्रह्मा वेद पढ़े नित द्वारे,
शंकर ध्यान धरे ।
सेवक चंवर डुलावत,
नारद नृत्य करे ॥
॥ जय वैष्णवी माता..॥

सुन्दर गुफा तुम्हारी,
मन को अति भावे ।
बार-बार देखन को,
ऐ माँ मन चावे ॥
॥ जय वैष्णवी माता..॥

भवन पे झण्डे झूलें,
घंटा ध्वनि बाजे ।
ऊँचा पर्वत तेरा,
माता प्रिय लागे ॥
॥ जय वैष्णवी माता..॥

पान सुपारी ध्वजा नारियल,
भेंट पुष्प मेवा ।
दास खड़े चरणों में,
दर्शन दो देवा ॥
॥ जय वैष्णवी माता.. ॥

जो जन निश्चय करके,
द्वार तेरे आवे ।
उसकी इच्छा पूरण,
माता हो जावे ॥
॥ जय वैष्णवी माता.. ॥

इतनी स्तुति निश-दिन,
जो नर भी गावे ।
कहते सेवक ध्यानू,
सुख सम्पत्ति पावे ॥

जय वैष्णवी माता,
मैया जय वैष्णवी माता ।
हाथ जोड़ तेरे आगे,
आरती मैं गाता ॥

Vaishno Mata Aarti Lyrics in English

Jai Vaishnavi Mata,
Miya Jai Vaishnavi Mata.
Haath jod tere aage,
Aarti main gata.
॥ Jai Vaishnavi Mata..

Sheesh pe chhat viraje,
Murtiya pyaari.
Ganga baheti charanan,
Jyoti jage nyari.
॥ Jai Vaishnavi Mata..

Brahma Ved padhe nit dwaare,
Shankar dhyaan dhare.

Sevak chhavar dulaavat,
Narad nritya kare.
 Jai Vaishnavi Mata..

Sundar gufa tumhari,
Man ko ati bhaave.
Baar-baar dekhne ko,
Ai Maa man chaave.
 Jai Vaishnavi Mata..

Bhavan pe jhande jhoole,
Ghanta dhvani baaje.
Uncha parvat tera,
Mata priya laage.
 Jai Vaishnavi Mata..

Paan supari dhwaja naariyal,
Bhent phool mewa.
Daas khade charanon mein,
Darshan do deva.
 Jai Vaishnavi Mata..

Jo jan nischay karke,
Dwaar tere aave,
Uski ichha poorn,
Mata ho jaave.
 Jai Vaishnavi Mata..

Itni stuti nish-din,
Jo nar bhi gaave,
Kahte sevak Dhanu,
Sukh sampatti paave.

Jai Vaishnavi Mata,
Miya Jai Vaishnavi Mata,
Haath jod tere aage,
Aarti main gata.

About Vaishno Mata Aarti in English

“Vaishno Mata Aarti” is a devotional hymn dedicated to Goddess Vaishno, a manifestation of Goddess Durga. She is considered the supreme goddess who blesses her devotees with peace, prosperity, and protection from all evils. The Vaishno Mata temple, located in the Trikuta mountains in Jammu and Kashmir, is one of the most revered pilgrimage sites in India, where millions of devotees visit to seek her blessings.

The aarti praises Vaishno Mata’s divine attributes, her benevolent nature, and her power to protect her devotees from life’s hardships. The hymn describes her sacred form, highlighting the reverence she commands, with her presence symbolizing purity, strength, and compassion. The aarti also speaks of the beauty of her temple, where the spiritual atmosphere is charged with divine energy.

This aarti is sung with deep devotion by those who visit the Vaishno Mata temple or worship her at home. Devotees believe that chanting this aarti invokes the goddess’s blessings, removing obstacles from their lives and granting them peace and spiritual fulfillment. The aarti encourages the worshippers to approach her with humility, faith, and love, trusting that she will guide them towards a life filled with happiness and success.

Overall, the Vaishno Mata Aarti is an expression of deep faith, devotion, and reverence for the goddess, seeking her divine protection and blessings.

About About Vaishno Mata Aarti in Hindi

“वैष्णो माता आरती” के बारे में

“वैष्णो माता आरती” एक भक्ति भजन है जो देवी वैष्णो की पूजा अर्चना करता है। वैष्णो माता, देवी दुर्गा के एक रूप के रूप में मानी जाती हैं और उन्हें भक्तों की समृद्धि, शांति और सुरक्षा का वरदान देने वाली देवी माना जाता है। उनका मुख्य मंदिर त्रिकुटा पहाड़ियों में, जम्मू और कश्मीर में स्थित है, जो भारत का एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। यहाँ लाखों भक्त उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए आते हैं।

यह आरती देवी वैष्णो के दिव्य रूप और उनकी शक्तियों का बखान करती है। इसमें उनकी

सशक्त और करुणामय भूमिका का वर्णन किया जाता है, जो अपने भक्तों को हर तरह के कष्टों, दुखों और बुराईयों से मुक्ति दिलाती हैं। आरती में उनके पवित्र मंदिर के सौंदर्य और वहां के दिव्य वातावरण का भी उल्लेख किया गया है, जो भक्तों को मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति प्रदान करता है।

इस आरती का पाठ भक्त श्रद्धा और विश्वास के साथ करते हैं, यह विश्वास करते हुए कि माता की कृपा से उनके जीवन के सभी संकट दूर होंगे और वे सुख, समृद्धि और आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। वैष्णो माता की आरती भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है।